Skill Development Programme

For Answer Writing

Geography (Model Answer)

DATE : 05 Sep, 2018 **TIME : 03:30 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- हिमालय के प्रादेशिक विभाजन को समझाते हुए बताइये कि क्या हिमालय पर्वत में उत्थान अब भी जारी है? अपने तर्क प्रस्तुत करें। (250 शब्द, 15 अंक)

Explaining the territorial division of Himalayas, also explain Himalayan mountains are still growing? Present your views. (250 Words, 15 Marks)

MODEL ANSWER

मुख्य बिन्दु-

- पहले प्रादेशिक विभाजन को बताएँ।
- अगले पैरा में हिमालय के उत्थान के पक्ष में अपने तर्कों को लिखें।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

उत्तर- हिमालय को प्रायः चार प्रादेशिक भागों में बांटा गया है, जो कि विभाजन घाटियों के आधार पर है। इसका पश्चिम से पूर्व विभाजन हम निम्न प्रकार से कर सकते हैं।

- **पंजाब हिमालयः-** इसे कश्मीर हिमालय भी कहते हैं। इसकी ऊँचाई लगभग 3000 मीटर है। यह सिन्धु व सतलुज नदी के मध्य स्थित है। इसका विस्तार मुख्यतः जम्मू-कश्मीर से लेकर हिमाचल प्रदेश तक है, जिसके अंतर्गत काराकोरम, लद्दाख, पीरपंजाल, धौलाधर व जास्कर प्रमुख श्रेणियाँ हैं। यहां की प्रमुख विशेषता करेवा मृदाओं का मूलतः पाया जाना है, जो केसर की खेती, सेब, बादाम, अखरोट, जरदालू एवं सतालू के फलोद्यान के लिए प्रसिद्ध है।
- **कुमाऊँ हिमालयः-** यह सतलुज और काली नदियों के मध्य 320 किमी. लम्बा और 38000 वर्ग किमी. क्षेत्रफल में फैला है। इसका पश्चिमी भाग गढ़वाल हिमालय और पूर्वीभाग कुमाऊँ हिमालय है। यह मुख्यतः पंजाब हिमालय से अधिक ऊँचा है। इसके सर्वोच्च शिखर कामेत, त्रिशूल, नंदादेवी, बद्रीनाथ, गंगोत्री आदि हैं तथा महत्त्वपूर्ण पहाड़ी पर्यटक स्थल मसूरी, नैनीताल, रानीखेत, अल्मोड़ा और बागेश्वर हैं।
- **नेपाल हिमालयः-** यह काली नदी से लेकर तीस्ता नदी के मध्य विस्तृत लंबाई में फैला हुआ है। इसका अधिकांश हिस्सा नेपाल में स्थित है। हिमालय की सबसे ऊँची चोटी इसी भाग में स्थित है। जैसे- मांउट एवरेस्ट, कंचनजंगा, मैकाल, अन्नापूर्णा आदि। इसे कहीं-कहीं सिक्किम हिमालय के नाम से भी जाना जाता है।
- **असम हिमालयः-** यह तीस्ता से लेकर ब्रह्मपुत्र नदी के मध्य स्थित है, जो 720 कि०मी० लंबा है। इसका विस्तार अरूणाचल से लेकर भूटान तक भी है, यहाँ अका, डाल्फा, अबोर, मिशमी आदि पहाड़ियाँ तथा नामचा वारवा, कुला कांगडी जैसी चोटियाँ प्रमुख रूप से स्थित हैं। यहां पर ब्रह्मपुत्र, लोहित, दिहांग नदियाँ प्रवाहित होती हैं। भारी वर्षा के कारण इस हिमालय में नदीय (Fluvial) अपरदन की गतिविधियाँ काफी अधिक बनी रहती हैं।

भूगर्भ शास्त्रियों के अनुसार इसका उत्थान 12 करोड़ वर्ष पूर्व हुआ था। इसके उत्थान की प्रक्रिया अब भी जारी है। हिमालय क्षेत्र में लगातार भूकंपीय गतिविधियों का होना इस बात का प्रमाण है कि इस पर्वत श्रृंखला में अब तक समस्थितिक संतुलन स्थापित नहीं है।

हिमालय से निकलने वाली नदियां ज्यादातर युवावस्था में है। तिब्बत की कई झीलों का तल भी समय के साथ ऊपर उठा है। प्लेट विवर्तनिकी के अनुसार भारतीय प्लेट अब भी यूरेशियाई प्लेट की ओर गतिमान है इस कारण हिमालय में वलन की प्रक्रिया अब भी जारी है।

* * *

GS World Committed To Excellence